ओम शान्ति
मोस्ट मोस्ट मोस्ट बिलवेड अव्यक्त बापदादा मम्मा

आत्मा के ऊर्जाबिंदु की Cleaning और Charging	शरीर के अवयव और उनके सम्बन्धित बीमारियाँ
शान्ति, आकाश तत्व, विशुद्धि चक्र : 10 न. ऊर्जा बिंदु का रंग : आसमानी अभ्यास: मैं शांत स्वरुप आत्मा हूँ ।	**थॉयराइड ग्रंथी और फेफड़े** **सम्बन्धित बीमारियाँ** - श्वास लगने से होनेवाली बीमारियाँ, टी .बी. न्यूमोनिया, दमा, थॉयराइड से संबंधित, स्वरयंत्र, अन्ननलिका, श्वासनलिका से संबंधित ।
पवित्रता, जल तत्व, स्वाधिष्ठान चक्र: 11 न. ऊर्जा बिंदु का रंग : नारंगी अभ्यास: मैं परम पवित्र आत्मा हूँ।	**खून, ओवरीज, टेस्टीज ग्रंथी और इम्यून सिस्टम (रोगप्रतिकारक शक्ति)** **सम्बन्धित बीमारियाँ** – संसर्ग, त्वचारोग, प्रजनन अंग, खून से संबंधित बीमारियाँ ।
सुख, अग्नि तत्व, मणिपुर चक्र: 1 न. ऊर्जा बिंदु का रंग : पिला अभ्यास: मैं सुख स्वरुप आत्मा हूँ ।	**पँक्रियाज ग्रंथी और हॉर्मोन्स** **सम्बन्धित बीमारियाँ** – पित्ताशय से संबंधित, मधुमेह, हार्मोन्स का असंतुलन आदि
प्रेम, स्नेह, वायु तत्व, अनहद चक्र: 2 न. ऊर्जा बिंदु का रंग : हरा अभ्यास: मैं प्रेम स्वरुप आत्मा हूँ ।	**हृदय और थायमस ग्रंथी** **सम्बन्धित बीमारियाँ** - दिल से संबंधित, दिल का दौरा, दिल में छेद, धड़कन बढ़ना, रक्तचाप, दिल की रक्तनलिकाओं की बीमारियाँ, रक्तनलिकाओं में रूकावटे आदि ।
शक्ति, पृथ्वी तत्व, मूलाधार चक्र : 12 न. ऊर्जा बिंदु का रंग : लाल अभ्यास: मैं शक्तिस्वरूप आत्मा मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ ।	**अॅड्रनिल ग्रंथी और हड्डी (Bones), मास (muscle), त्वचा (Skin), बाल, नाख़ून (Nails)** **सम्बंधित बीमारियाँ** - हड्डी व मांस से संबंधित, कॅल्शियम कम होना, जोड़ो में दर्द, सूजन, स्नायू में दर्द, बवासिर (Hemorrhoids), रहमैटाइड आर्थरायटिज, यूरिक अॅसिड बढ़ना, घुटना घिस जाना। त्वचा, बाल और नाखूनों के सम्बंधित बीमारियाँ ।
आनंद, सहस्त्रार चक्र: 13 न. ऊर्जा बिंदु का रंग : जामुनी अभ्यास: मै आनंद स्वरूप आत्मा हूँ।	**पिनियल ग्रंथी और पाचन शक्ति** **सम्बन्धित बीमारियाँ** - तनाव, नींद न आना, रक्तचाप, उदासीनता, अपचन, गैस, पाचन से सम्बन्धित बीमारीयाँ आदि
बुद्धि, आज्ञा चक्र: 16 न. ऊर्जा बिंदु का रंग : गहरा नीला अभ्यास: मैं मास्टर ज्ञानसुर्य हूँ।	**पियूष ग्रंथि और मष्तिक (brain) की नसों की प्रणाली** **सम्बन्धित बीमारियाँ** – मस्तिष्क से सम्बन्धित, सिरदर्द, मायग्रेन, नसों की प्रणाली, आँख, कान, नाक, दांत-मसूड़े संबंधित ।

❖ मानसिक स्थिति शक्तिशाली बनाने हेतु ऊर्जा बिंदुओं का Cleaning और Charging	❖ आर्थिक स्थिति में सुधार लाने हेतु ऊर्जा बिंदुओं का Cleaning और Charging	❖ शारीरिक रिश्तों को सुधारने हेतु ऊर्जा बिंदुओं का Cleaning और Charging
मन, विस्तार को संकीर्ण करने की शक्ति, कॉन्सियस माइंड : 14 न. आनंद मेरे मन का स्वधर्म हैं।	मूलाधार चक्र, शक्ति, पृथ्वी तत्व : 12 न. मैं परमात्मा की सन्तान सर्वशक्ति संपन्न धनवान आत्मा हूँ।	**माँ, सास:** 10 न. मैं शान्ति के सागर की सन्तान शान्तस्वरुप आत्मा हूँ ।
		पिता, ससुर: 12 न. मैं सर्वशक्तिवान की सन्तान मास्टर सर्व शक्तिवान आत्मा हूँ ।
बुद्धि, ज्ञान, निर्णय शक्ति, ईथर तत्व, सबकॉन्सियस माइंड: 16 न. ज्ञान मेरे बुद्धि का स्वधर्म हैं।	बुद्धि, ज्ञान, निर्णय शक्ति, ईथर शक्ति, आज्ञा चक्र: 16 न. मैं ज्ञान धन से संपन्न मास्टर ज्ञानसूर्य आत्मा हूँ।	**शिक्षक, गुरु, परमात्मा:** 11 न. मैं पवित्रता के सागर की सन्तान परम पवित्र आत्मा हूँ ।
		भाई, बहन, रिश्तेदार और सहयोगी: 1 न. मैं सुख के सागर की सन्तान सुख स्वरुप आत्मा हूँ ।
संस्कार, समाने की शक्ति, अनकॉन्सियस माइंड : 15 न. पवित्रता मेरे संस्कारो का स्वधर्म हैं।	पवित्रता, जल तत्व, स्वाधिष्ठान चक्र: 11 न. मैं पवित्रता के धन से भरपूर परम पवित्र आत्मा हूँ ।	**युगल:** 2 न. मैं प्रेम के सागर की सन्तान प्रेम स्वरुप आत्मा हूँ ।
		बच्चे: 13 न. मैं आनंद के सागर की सन्तान आनंदस्वरूप आत्मा हूँ ।
		स्वयं: 16 न. मैं ज्ञान के सागर की सन्तान मास्टर ज्ञानसूर्य आत्मा हूँ ।

❖ ग्रहों की दशाओं को ठीक करने हेतु ऊर्जा बिंदु की Cleaning & Charging	❖ ग्रह दशा लगने के लक्षण
रवि: 8 न. सहयोग शक्ति, 15 न. संस्कार, 1 न. अग्नि तत्व	जिद्दी स्वभाव बन जाना (Dominant nature)
चंद्रमा: 14 न. मन, 10 न. शान्ति, 11 न. जल तत्व	मानसिकता में उतार चढाव का बदलाव आना ।
मंगल: 12 नं. शक्ति, 6 नं. सामना करने की शक्ति	बहुत गुस्सा आना ।
बुध: 7 नं. परखने की शक्ति, 16 नं. बुद्धि, 2 नं. प्रेम	बुद्धि बिगड़ जाना, निर्णय शक्ति कम हो जाना ।
गुरु: 4 नं. नम्रता, 5 नं. अंतर्मुखता, 13 नं. फरिश्ता स्वरुप, 1 नं. सुख	दु:वर्तन जैसा व्यवहार करना ।
शुक्र: 11 नं. पवित्रता, 12 नं. शक्ति, 1 नं. सुख	भोगी वृत्ती बढ़ जाना, काम विकार की आसक्ति बढ़ जाना ।
शनि: 9 न. सहनशक्ति, 3 नं. दृढ़ता, 16 नं. बुद्धि	अति चिन्ता में रहना ।
राहू: 14 न. मन, 15 न. संस्कार, 16 न. बुद्धि	तन, मन, धन सब नीचे आ जाना ।
केतु: 14 नं. मन, 15 नं. संस्कार	मानसिकता में बदलाव आना, संस्कारों का बिगड़ना ।
नेप्चयून: 10 नं. शान्ति, 15 नं. संस्कार	मानसिक अशान्ति बढ़ना ।
हर्षल: 15 नं. संस्कार, 16 नं. बुद्धि	विनाशकारी विचारवृत्ती बनना ।